प्रेषक,

निदेशक,
उ0प्र0 राज्य पुरातत्व विभाग,
रोशनुदौला कोठी, कैसरबाग,
लखनऊ।

सेवा में,

श्री कुक्कू टेक्कर,
अधिकृत प्रतिनिधि,
वेलस्पन इनर्जी यू0पी0 प्रा0लि0,
रुम नं0 26, द ग्लेक्सी,
लालदिग्गी रोड, मिर्जापुर 231001
उ0प्र0।

संख्या 268 / द्वितीय–34 (2)/2013 दिनांक २०मई, 2013

विषय : ग्राम ददरीखुर्द, तप्पा–84, तहसील सदर, जिला मिर्जापुर के 10 किलोमीटर की परिधि में किसी पुरातात्विक महत्व के मन्दिर, किला आदि नहीं होने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्रांक WEUPPL/MZP./30 दिनांक 20.04.2012 का संदर्भ लेने का कष्ट करें, जिसके द्वारा यह अवगत कराया गया है कि ग्राम ददरीखुर्द तप्पा–84 परगना कंतित, तहसील सदर, जिला मीरजापुर, उ0प्र0 में कोयले पर आधरित ताप विद्युत परियोजना का कार्य प्रस्तावित है तथा ग्राम के 10 किलोमीटर के परिधि में कोई पुरातात्विक महत्व का मन्दिर, किला या कोई भग्नावशेष आदि वर्तमान में ज्ञात श्रोतो के अनुसार अवस्थित नही होने के संदर्भ में प्रमाण–पत्र निर्गत करने का अनुरोध किया गया है।

प्रश्नगत संदर्भ में क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी, वाराणसी द्वारा प्रश्नगत क्षेत्र का निरीक्षण किया गया (छायाप्रति संलग्न)। प्रस्तावित क्षेत्र में लगभग 10 कि0मी0 की परिधि में निरीक्षण के दौरान पुरातात्विक महत्व का कोई भी मंदिर, किला, पुरास्थल आदि के साक्ष्य प्रकाश में नहीं आयें हैं।

अतएव उक्त प्रस्तावित परियोजना के क्रियान्वयन पर सम्यक अग्रेत्तर कार्यवाही अपने स्तर से कराना चाहें।

संलग्नक : यथोपरि।

भवदीय,

(राकेश तिवारी)
निदेशक

निरीक्षण- आख्या

ग्राम- दादरी खुर्द, टप्पा- 84
परगना- कंतित
तहसील- सदर
जनपद- मीरजापुर

वेलस्पन इनर्जी यू०पी०प्रा०लि०द्वारा ददरी खुर्द,टप्पा-84 में प्रस्तावित "*कोयले पर आधारित ताप विद्युत् परियोजना*" स्थल के चतुर्दिक लगभग 10 किमी के परिक्षेत्र में निरीक्षण कार्य किया गया। यह सम्पूर्ण क्षेत्र पथरीला व बांस के सघन जंगल,कटीली झाड़ियों,पलाश आदि वृक्षों से आच्छादित है।प्रस्तावित स्थल के उत्तर में बरकछा रिजर्व फारेस्ट,मीरजापुर तथा विन्ढम फाल रेंज ; दक्षिण में पटेहरा रेंज; पूर्व में मडिहान रेंज तथा पश्चिम में लालगंज रेंज के अंतर्गत आने वाले जंगली व पथरीले भूभाग हैं। उक्त क्षेत्र में लगभग 10 किमी की परिधि में निरिक्षण के दौरान पुरातात्विक महत्त्व के किसी भी मंदिर ,किला, पुरास्थल आदि के साक्ष्य प्रकाश में नहीं आये।

क्षेत्रीय पुरातत्व एवं अधिकारी
क्षेत्रीय पुरातत्व संस्थान
वाराणसी